News Letter – October 2013

जैन शिक्षा समृद्धि के बढ़ते कदम

08 अक्टूबर 2013, दिन मंगलवार क्लब अधिष्ठापन समारोह– **दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र डेरा पहाड़ी, छतरपुर में** प्रातः 9.30 बजे से **राष्ट्रीय पदाधिकारी अध्यक्ष श्री विजय जैन, महामंत्री श्री जीवेन्द्र जैन, मंत्री श्री जवाहरलाल जैन, छतरपुर समाज अध्यक्ष श्री कोमल चन्द्र जैन औलिया, जिला न्यायाधीश,** तथा गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में झण्डारोहण तथा स्वागताध्यक्ष **श्री सुनील कुमार जैन बड़कुल ने** अतिथियों का स्वागत किया। **महामंत्री श्री जीवेन्द्र जैन गाजियाबाद** ने विषय का प्रवर्तन करते हुए कहा कि जैन समाज की समृद्धि केवल गुणवत्तापूर्ण संस्कारयुक्त शिक्षा से ही संभव है। **प्रो0 (डा0) एन0के0 जैन गाजियाबाद** ने बताया क्षेत्र के प्रबुद्धजनों का दायित्व है कि हम तन–मन–धन के समर्पण भाव से आगे आयें। उत्तरांचल तीर्थक्षेत्र कमेटी **अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन,** नैनागिर तीर्थ क्षेत्र **महामंत्री सेठ श्री दामोदर जैन शाहगढ़,** सम्मेदाचल प्रधान सम्पादक **श्री नवनीत जैन मेरठ, पूर्व विधायक श्री कपूर चन्द्र जैन धुवारा** ने कहा कि जैन शिक्षा समृद्धि बुन्देलखण्ड के लिए वरदान साबित हो सकती है यदि हम पूर्ण सहयोग करें। **बण्डा समाज अध्यक्ष श्री महेन्द्र जैन भूसा, बड़ागांव अध्यक्ष श्री ऋषभ कुमार जैन नवनीत, श्री गुणपाल जैन दादाजी सिंघई शाहगढ़** ने भी अपने उद्‌गार व्यक्त किये। **भगवां क्लब अध्यक्ष श्री देवेन्द्र जैन सिंघई, शान्ति नाथ मन्दिर बण्डा क्लब के मंत्री श्री वीरेन्द्र जैन** ने भी अध्ययन केन्द्रों में बच्चों में आये सकारात्मक परिवर्तनों की मुक्तकण्ठ से प्रशंसा की।

छतरपुर अध्ययन केन्द्र के बच्चों **ने** अभूतपूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसके माध्यम से उन्हें प्रदत्त शिक्षा के नये आयामों **''आसन'',''टाइम टेबिल'','' पढ़ो और सीखो, सीखो और पढ़ो'',अणुव्रत, निःस्वार्थ सेवा** आदि अनेक विषयों की जीवन्त प्रस्तुति की। **श्रीमती सरोज के0सी0 जैन प्राचार्या देव प्रभाकर इंजीनियरिंग कालेज** ने **1000रुपया प्रतिमाह 1 वर्ष तक** तथा **श्री मुकेश जैन ग्रेनाइट इण्डिया** ने **2000रुपया प्रति माह 1 वर्ष तक जैन शिक्षा समृद्धि अध्ययन केन्द्र छतरपुर** को सहयोग देने की घोषणा की। **प्रशिक्षक श्री अशोक जैन देहली** ने पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से बताया कि **जैन शिक्षा समृद्धि के अध्ययन केन्द्र समाज के बच्चों को किस प्रकार की शिक्षा दे रहे हैं, समाज से जैन शिक्षा समृद्धि की क्या अपेक्षायें हैं। इन अध्ययन केन्द्रों का आत्मनिर्भर होना ही इनका भविष्य है।**

राष्ट्रीय पदाधिकारियों अध्यक्ष श्री विजय जैन, महामंत्री श्री जीवेन्द्र जैन तथा मंत्री श्री जवाहरलाल जैन ने **14 जैन शिक्षा समृद्धि क्लबों के पदाधिकारियों तथा सदस्यों को** स्टेज पर जैन शिक्षा समृद्धि के कार्यों के क्रियान्वयन में पूर्ण सहयोग हेतु **शपथ दिलाई। महामंत्री महोदय** ने सभी को उनके दायित्व का बोध कराया। **कु0 मानकुंवर जैन (मोना) खरगापुर, कु0 लवि जैन छतरपुर, श्रीमती नेहा जैन शान्ति विहार शाहगढ़ , श्री दिलीप कुमार जैन मलैया बक्सवाह, श्रीमती संतोष जैन कामिनी पंचायती मन्दिर शाहगढ़** ने **Pathways World School देहली/गुड़गांव** के विशेष प्रशिक्षण के विविध बिन्दुओं पर प्रकाश डाला तथा बताया कि **बिना पुस्तक, बिना बस्ता, खेल–खेल में शिक्षा, इन्टरनेट तथा स्काइप तकनीक का शिक्षण को मनोरंजक बनाने में प्रयोग आदि विधाओं की उदाहरण सहित प्रस्तुति की** जिससे सम्पूर्ण सदन आत्म विभोर हो गया।

इसके बाद **राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय जैन** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि **बदलते समय के अनुसार नई चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें आधुनिकतम तकनीकों से लाभ लेना होगा। जैन शिक्षा समृद्धि का पूर्ण लाभ समाज को जभी मिलेगा जबकि वह आगे बढ़कर तन–मन–धन से सहयोगी बनें। प्रो0 केवल चन्द्र जैन सागर तथा** छतरपुर क्लब के **मंत्री श्री नवनीत जैन** ने सभी आगन्तुक बन्धुओं, का सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

दीप प्रज्जवलन

राष्ट्रीय एवं क्लब पदाधिकारीगण

सांस्कृतिक कार्यक्रम

Tutors तथा शिक्षा समन्वयक

अतिथिगण

क्लब पदाधिकारियों तथा सदस्यों को शपथ

राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान

पाथवे स्कूल देहली से प्राप्त Teaching Adis

क्लब पदाधिकारी एवं सदस्य कार्यशाला (अपरान्ह 2.00 बजे से 4.00 बजे तक) – मंगलाचरण के बाद **जैन शिक्षा समृद्धि के डायरेक्टर श्री सुमत कुमार जैन** ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि **आज की कार्यशाला जैन शिक्षा समृद्धि क्लब पदाधिकारियों तथा सदस्यों के दायित्वों तथा अपेक्षाओं पर केन्द्रित है।** प्रख्यात प्रशिक्षक **श्री अशोक जैन देहली** ने **पावर पाइंट प्रजेन्टेशन** द्वारा **अध्ययन केन्द्रों की शिक्षण शैली पर विस्तार से प्रकाश डाला** तथा **इन अध्ययन केन्द्रों का सुचारू संचालन कैसे हो, समाज के संसाधनों का सदुपयोग कैसे हो, जैन शिक्षा समृद्धि की कार्य प्रणाली को कैसे गति दी जाय, अधिक से अधिक समाज को कैसे जोड़ा जाय। क्लब पदाधिकारियों** ने बच्चों में संस्कार एवं उनमें सकारात्मक परिवर्तन की भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा जैन शिक्षा समृद्धि का साधुवाद किया। **राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय जैन अहमदाबाद** ने समाज एवं क्लब पदाधिकारियों से अब तक मिले सहयोग की भारी सराहना की, महिलाओं के उल्लेखनीय सहयोग की प्रशंसा की **अब समय की चुनौती है कि आप शिक्षा रथ चलायें, अपने नौनिहालों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से सशक्त बनायें। आई0टी0 युग की नई तकनीकें अपनायें जिससे आपके बच्चे सफलतापूर्वक भावी चुनौतियों का सामना कर सकें। मंत्री श्री जवाहर लाल जैन** ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

23 अक्टूबर 2013 से 29 अक्टूबर 2013 तक 8 अध्ययन केन्द्रों का भ्रमण– प्रशिक्षक श्री अशोक जैन रोहिणी देहली तथा **जैन दर्शन के प्रख्यात विद्वान (डॉ0) एन0के0 जैन गाजियाबाद** ने **जैन शिक्षा समृद्धि** के 8 अध्ययन केन्द्रों का भ्रमण निम्न कार्यक्रमानुसार किया– **23 अक्टूबर बड़ा मन्दिर बण्डा, 24 अक्टूबर शान्ति नगर बण्डा, 25 अक्टूबर पंचायती मन्दिर शाहगढ़, 26 अक्टूबर शान्ति विहार शाहगढ़, 27 अक्टूबर बक्सवाह, 28 अक्टूबर सटई, पंचायती मन्दिर छतरपुर, 29 अक्टूबर डेरा पहाड़ी छतरपुर।** इस भ्रमण की विशेषता थी, प्रत्येक केन्द्र, Tutors , समन्वयक की कार्यप्रणाली का विभिन्न आयामों से अध्ययन तथा 8 अक्टूबर को छतरपुर में क्लब अधिष्ठापन समारोह में प्रदत्त Manual के अनुसार क्लब सदस्यों के दायित्व का बोध कराना।

प्रत्येक अध्ययन केन्द्र में 2–3 घंटे की Tutors तथा समन्वयकों की बैठक– उनकी **काउन्सलिंग, डायरी निरीक्षण** तथा परस्पर विचार विनमय द्वारा उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। **पाथवे स्कूल में प्रदत्त ट्रेनिंग तथा प्रदत्त लाइब्रेरी पुस्तकों का बच्चों के पढ़ाने में प्रयोग पर विस्तृत चर्चा हुई।** Tutors को

Tutor's डायरी निरीक्षण

आत्म मापक डायरी में **''प्रतिभा खोज''** तथा **''सफलता की गाथा''** दो नये स्तम्भ जोड़े गये। प्रतिभा खोज द्वारा छाँटे गये बच्चों को **क्षेत्रीय/प्रदेशीय/राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं हेतु विशेष रूप से तैयार कराया जायेगा,** जैसे **राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, गणित ओलम्पियाड** आदि। **सफलता की गाथा** लगभग सभी केन्द्रों पर उपलब्ध हैं जिससे सभी को भारी उत्साह मिल रहा है। **शीघ्र ही एक चार पृष्ठीय News Letter तैयार कर सभी केन्द्रों, सेन्ट्रल बोडी सदस्यों** तथा **दातारों** को प्रेषित किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार किया जायेगा जिससे सकल समाज **जैन शिक्षा समृद्धि** के बढ़ते कदमों की पदचाप से परिचित हो सके तथा अपने सकारात्मक चिन्तन एवं रचनात्मक दृष्टिकोण से सहयोगी हो सके और इस प्रकार सकल जैन समाज को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा द्वारा एकता के सूत्र में बांधते हुए समृद्धि के नये आयाम स्थापित करने की ओर बढ़ सकें। इसके अतिरिक्त **प्रत्येक माह में एक बार प्रत्येक केन्द्र पर अध्यापक– अभिभावक बैठक** आयोजित की जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है जिससे बच्चों में होने वाले सकारात्मक परिवर्तन की उपलब्धियां तथा अभिभावकों की अपेक्षाओं में समन्वय स्थापित करते हुए प्रगति के सोपानों से परिचित कराया जा सके।

अध्ययन केन्द्रों के क्रियाकलाप का औसतन एक डेढ़ घंटे तक गहराई से निरीक्षण एवं अध्ययन– अध्ययन अध्यापन का स्तर अधिकतर आशा के अनुरूप तथा कहीं–कहीं उसकी गुणवत्ता और भी अधिक पायी गई, यथा आवश्यक सुझाव भी दिये गये। वास्तव में लगातार नियमित विद्यार्थी इन केन्द्रों का पूर्ण लाभ उठा रहे हैं और उनके सकारात्मक उत्साहपूर्ण परिवर्तन से आशा की किरण सुखद भविष्य का

संकेत प्रदान कर रही है। **सफलता की गाथा के लिए कक्षा 3 की विद्यार्थी मुस्कान जैन शाहगढ़ का उदाहरण पर्याप्त है** जिसके एक माह पूर्व गणित तथा अंग्रेजी में शून्य अंक आये थे, **इस बार गणित में 98% तथा अंग्रेजी में 60% अंक प्राप्त किये हैं** और इस प्रगति का श्रेय अध्ययन केन्द्र की कार्यशैली को ही दिया गया है। बच्चों द्वारा निर्मित मिट्टी के खिलौने, पेन्टिंग्स, आर्ट एवं क्राफ्ट कार्य बच्चों की रचनात्मक प्रवृत्ति के प्रोत्साहन की गाथा स्वयं कह रहे हैं, शीघ्र ही इन केन्द्रों को कम्प्यूटर सुविधायें उपलब्ध होते ही यह सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित करेंगे, इस प्रकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा इन बच्चों को नये आयाम प्रदान करेंगे।

प्रत्येक स्थान पर डेढ़ से दो घंटे की क्लब मेम्बरों के साथ बैठक– इन केन्द्रों के प्रति उनके बढ़ते हुए उत्साह को स्पष्ट अवगत करा रही है। क्लब सदस्यों द्वारा समय–समय पर अध्ययन केन्द्रों का निरीक्षण, सम्मति एवं सुझाव तथा आर्थिक रूप से केन्द्रों के आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम इन अध्ययन केन्द्रों के सुखद भविष्य की आशा का नया संचार करते प्रतीत होते हैं, **चाहे बक्सवाह हो जहां 5100 रु0 के अनेक सदस्य बन चुके हैं और बन रहे हैं, शाहगढ़ पंचायती मन्दिर में 100रु0 प्रतिमाह के कम से कम 50 सदस्य बनाने का लक्ष्य क्रियान्वित हो रहा है।**

जैन दर्शन के मूर्धन्य विद्वान डा0 एन0के0जैन का उद्बोधन– आपकी मन्दिरों में शास्त्र सभायें जैन शिक्षा समृद्धि के मन्तव्य को अपनी स्थापित धार्मिक परम्परा की पुर्नस्थापना का बोध करा रही हैं जिससे जैन समाज तीर्थंकरों, साधुसन्तों, शास्त्रों के प्रशस्त **''पथ शिक्षा द्वारा समाज के उत्थान की दिशा''** में आगे बढ़ सकेगा।

22 सितम्बर 2013 को सटई केन्द्र प्रारम्भ होने के बाद प्रथम निरीक्षण– एक सुखद अनुभव, बच्चों तथा समाज में अभूतपूर्व उत्साह, बच्चे शिक्षण

बच्चे

अभिभावक

समाज

पद्धति से पूर्णतः अवगत तथा लाभान्वित। शीघ्र ही शेष 6 अध्ययन केन्द्रों का गहन भ्रमण पदाधिकारियों द्वारा किया जायेगा। **–प्रस्तुति– सुमत कुमार जैन** निदेशक प्रचार–प्रसार जैन शिक्षा समृद्धि